भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 510

उत्तर देने की तारीख 07 दिसंबर, 2023 (गुरूवार)

16 अग्रहायण, 1945 (शक)

प्रश्न

पूर्वोत्तर राज्यों में रेलवे और सड़क परियोजनाएं

510#. श्री कैलाश सोनी:
डा. सिकंदर कुमार:
श्री सतीश चंद्र दूबे:
श्रीमती कांता कर्दम:
श्रीमती सीमा द्विवेदी:

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में शुरू की गई रेल परियोजनाओं और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) पूर्वोत्तर में रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए कितना बजट/धनराशि आबंटित की गई है; और

(ग) रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं से पूर्वोत्तर राज्यों की अर्थव्यवस्था को किस हद तक बढ़ावा मिलने की संभावना है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख)

- **रेल परियोजनाएं**

दिनांक 01.04.2023 की स्थिति के अनुसार 81,941 करोड़ रुपये की लागत से 1,909 किलोमीटर की कुल लंबाई को कवर करने वाली 19 रेल अवसंरचना परियोजनाएं पूर्ण/आंशिक

रूप से पूर्वोत्तर राज्यों में आती हैं, जो आयोजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इसमें से 482 किलोमीटर लंबाई चालू हो चुकी है और मार्च, 2023 तक 37,713 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।

2014-23 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्ण/आंशिक रूप से आने वाले 1,618 किमी खंडों (377 किमी नई लाइन, 972 किमी गेज परिवर्तन और 269 किमी दोहरीकरण) को 179.78 किमी प्रति वर्ष की औसत दर से चालू किया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक कमीशनिंग (66.6 किमी प्रति वर्ष) से 170% अधिक है।

• **सड़क परियोजनाएं:**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पिछले नौ वर्षों (अर्थात 2014-2023) के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में 41,459 करोड़ रुपये की लागत से कुल 4,950 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क विकसित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने उत्तर-पूर्व विशेष अवसंरचना विकास स्कीम (एनईएसआईडीएस) और उत्तर-पूर्व सड़क क्षेत्र विकास स्कीम (एनईआरएसडीएस) के अंतर्गत 3,372.58 करोड़ रुपए की 77 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है (पूर्वोत्तर राज्यों में रेल, हवाई और सड़क नेटवर्क के अंतर्गत एनईसी की स्कीमों के तहत 4,345.16 करोड़ रुपए की 51 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं)।

(ग) पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल और सड़क अवसंरचना परियोजनाओं के लाभों में अन्य बातों के साथ-साथ पूर्वोत्तर के लोगों का देश की मुख्य धारा के साथ एकीकरण, आवश्यक वस्तुओं और कृषि उत्पादों का तेजी से परिवहन, इस क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि, क्षेत्र का सामाजिक-आर्थिक विकास, पर्यटन उद्योग का विकास और क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि करना और इस प्रकार पूर्वोत्तर राज्यों की समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना शामिल है।

*****